डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

कश्मीरी कवि एवं लेखक डॉ. अज़ीज़ हाजिनी का निधन

साहित्य अकादेमी ने शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। 12 सितंबर 2021; साहित्य अकादेमी की सामान्य परिषद के सदस्य एवं सुप्रसिद्ध कश्मीरी लेखक, अनुवादक एवं कवि डॉ. अज़ीज़ हाजिनी का कल श्रीनगर में निधन हो गया था। उनके निधन से भारतीय साहित्य को, विशेष रूप से कश्मीरी भाषा एवं साहित्य को बड़ी हानि हुई है। उनके निधन पर अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि प्रसिद्ध कश्मीरी आलोचक, कवि और विद्वान डॉ अज़ीज़ हाजिनी ने जीवन पर्यंत कश्मीरी साहित्य को बढ़ावा देने का प्रयास किया। मेरा सौभाग्य है कि मेरा उनसे लगभग दो दशकों से नियमित रूप से संपर्क रहा। उनका "आने खाने" कश्मीरी आलोचना में एक मील का पत्थर है और उनकी रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करती रहेंगी। साहित्य अकादेमी उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करती है।"

डॉ. अज़ीज़ हाजिनी ने विभिन्न विधाओं में अनेक पुस्तकें लिखीं। उनकी पुस्तक 'आने खाने' के लिए उन्हें 2015 में साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला था। इसके अतिरिक्त उनकी पुस्तक 'नूरे नूराँ', 'वितस्ता की सैर', 'काशुर अक़ीदती अदब', 'ज़े गज़ ज़मीन' (अनुवाद), 'वारिस शाह' (अनुवाद), 'हमकाल काशुर शायरी', 'ते पत्ते आए दरयावस ज़बान', 'मौलवी सिद्दीक़ उल्लाह हाजिनी', 'मीर गुलाम रसूल नाज़की', 'मी एंड माइ एनिमल', 'प्रतिनिधि कश्मीरी कहानियाँ', 'अमीन कामिल' इत्यादि प्रकाशित हो चुकी हैं।

उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हैं जिसमें साहित्य अकादेमी पुरस्कार, साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कार, ख़िलअत–ए शैखुल आलम, हरमुख एवार्ड, मीर–ए कारवाँ एवार्ड, रंग तरंग एवार्ड, दीना नाथ नादिम मेमोरियल एवार्ड, महजूर मेमोरियल एवार्ड, शरफ़े कामराज एवार्ड, फ़ख़रे हिमालय एवार्ड, आदि सम्मिलित हैं।

डॉ. हाजिनी विभिन्न संस्थाओं से भी जुड़े रहे। उन्होंने 2015 से 2019 तक सचिव, जम्मू एंड कश्मीरी कल्चरल एकेडमी के पद पर कार्य किया। इससे पहले वह उप निदेशक, एकेडमिक, जम्मू एंड कश्मीरी स्टेट बोर्ड ऑफ़ स्कूल एजूकेशन के पद पर कार्यरत थे। 2018 से साहित्य अकादेमी के कश्मीरी भाषा के संयोजक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे थे। वह अदबी मरकज़ कामराज के तीन बार अध्यक्ष चुने गए और 2020 में संरक्षक बनाए गए।

डॉ. अज़ीज़ हाजिनी ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भी भाग लिया। उन्होंने विभिन्न देशों की यात्राएँ भी कीं। शैखुल आलम स्टडीज़, कश्मीरी विश्वविद्यालय की पत्रिका 'आलमदार' एवं 'नूर' के संपादक के रूप में भी कार्य किया। लोकप्रिय कश्मीरी पत्रिका 'वालरेक मल्लार' के भी संपादक रहे।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in